



कोलंका लक्ष्मण राव

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार:
कर्नाटक वाद्य संगीत (मृदंगम)

KOLANKA LAXMAN RAO

Sangeet Natak Akademi Amrit Award:
Carnatic Instrumental Music (Mridangam)

आंध्र प्रदेश के पीठपुरम में 12 दिसंबर 1945 को जन्मे, श्री कोलंका लक्ष्मण राव प्रतिष्ठित मृदंगम वादक हैं। आपका संबंध कोलंका संप्रदाय से है। आपने 10 वर्षों (1957-1967) तक सुप्रसिद्ध मृदंगम वादक कोलंका वेंकट राव से प्रशिक्षण प्राप्त किया है, साथ ही आपने महाराजा गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ म्यूजिक एंड डांस (विजयनगरम) और श्री त्यागराज गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ म्यूजिक एंड डांस (हैदराबाद) से भी शिक्षा अर्जित की है। यहीं 37 वर्षों तक आपने व्याख्याता के रूप में काम भी किया है।

आपने लय ट्रस्ट द्वारा निर्मित फिल्म एंदारो मृदंगनुभवुलु में भी काम किया है।

कर्नाटक वाद्य संगीत (मृदंगम) में योगदान के लिए श्री कोलंका लक्ष्मण राव को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 12 December 1945, Shri Kolanka Laxman Rao is a Mridangam artist, belonging to Kolanka Sampradayam, and is from Pithapuram in Andhra Pradesh. Shri Laxman Rao has trained under the well-known Mridangam artist Kolanka Venkata Rao for 10 years (1957-1967), and also from Maharaja Government College of Music and Dance (Vijayanagaram) and Sri Tyagaraja Government College of Music and Dance (Hyderabad), where he also worked as Lecturer for 37 years.

Shri Laxman Rao has also been involved in the film *Endaro Mrudanganubhavulu*, made by Laya Trust.

Shri Kolanka Laxman Rao receives the Sangeet Natak Akademi Amrit Award for his contribution to Carnatic instrumental music.